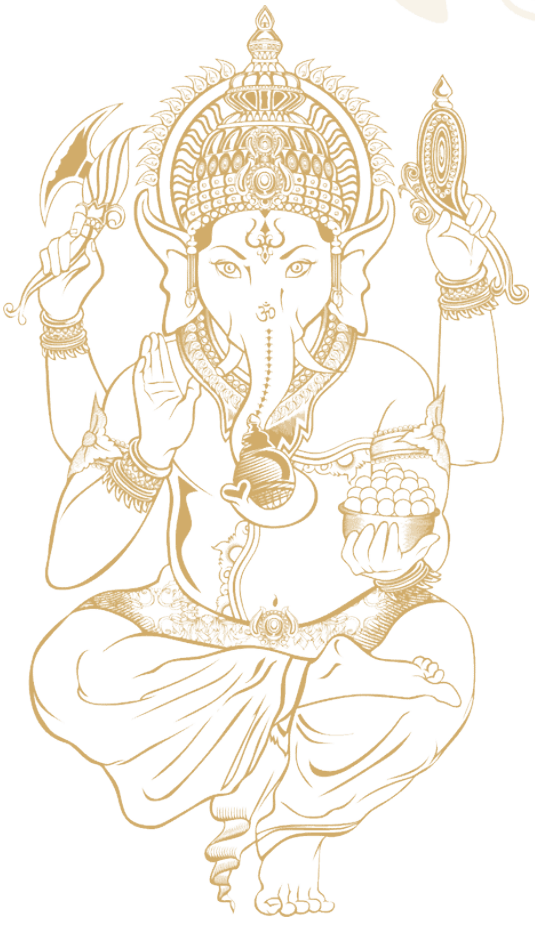

Shiv Diksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	12/09/1994
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	10:02:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	10:47:10 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Gorakhpur
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	05:40:33
18:11:09	सूर्यास्त	18:04:43
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	तुला	22:20:38	बुध 10वर्ष 8मा 19दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	सिंह	25:24:36	शुक्र
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	वृश्चि	21:35:35	01/06/2012
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	मिथु	22:57:24	01/06/2032
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	कन्या	18:02:01	शुक्र 01/10/2015
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	तुला	17:49:43	सूर्य 01/10/2016
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	तुला	09:51:04	चन्द्र 01/06/2018
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि व	कुंभ	14:25:52	मंगल 01/08/2019
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु	तुला	22:44:18	राहु 01/08/2022
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु	मेष	22:44:18	गुरु 01/04/2025
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष व	धनु	28:45:50	शनि 01/06/2028
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप व	धनु	26:54:01	बुध 02/04/2031
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	01:52:57	केतु 01/06/2032

लग्न-चलित

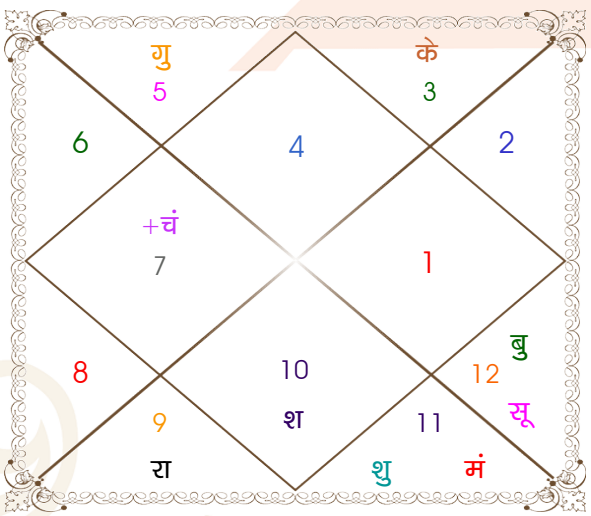

लग्न-चलित

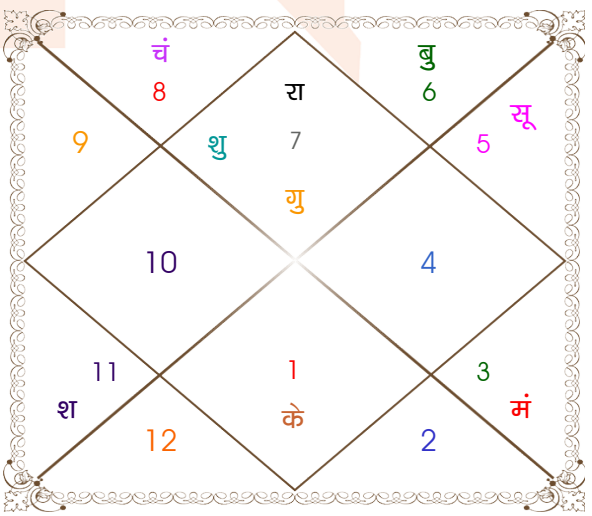

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Shiv का वर्ग सर्प है तथा Diksha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और Diksha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Diksha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Shiv तथा Diksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।